




न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)


आदेश पत्रक

भारत सरकार

उ० अ० नि० सुजीतराय झौ० पी० प्रभारी वनाग क्षेत्रक माती लैरैरह
राँची झौ० पी० राँची

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
	<p>अगिलेख सं०-एम.....56...../2018 धारा-107 द०प्र०सं० थाना प्रभारी ^{सुनीलराव} (राँची झौ० पी०) के अप्राथमिकी सं०-19/18.... दिनांक-4-5-18.... प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि <u>सिन्धी विधान सभा उप चुनाव की लेकर राँची झौ० पी० दैनिकी सं० 11/18 दिनांक 30-4-18</u></p> <p>जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति शुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति शुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रु० का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अगिलेख तिथि 25-5-18.... को उपरथागित करें। लेखापित एवं संश्लेषित</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around;"> <div style="text-align: center;">  कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। </div> <div style="text-align: center;">  25/5/18 कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। </div> </div> <p align="center">अभिलेख अपरथागित / द्वितीय पक्ष क्रमांक 01, 02, 03, 04, 05, 06, 08, 09, 10, 11, 13 प्रतिपत्त अन्य सभी अनुपरीपित / दिनांक 28-5-18 की शिव ।</p> <div style="text-align: right; margin-top: 20px;">  25/5/18 </div>	

25-05-18

तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	
30-11-18	<p>आभिलेखन इतरचापित्त। विपक्षी अडपलित्त विधाकसमा उप इगाव अन्तिपूर्परनय से सम्पन्न हो गरी हो अतः वार में आभिलेखन की कारवाही बन्द की जाती है।</p> <p style="text-align: right;">—  30/11/18</p>	